## खबर संक्षेप

### सात दिवसीय राम धुन का आज से शुभारंभ

**मण्डला।** आज बुधवार 12:00 बजे से स्थानीय महिष्मती घाट में सात दिवसीय रामधुन का आयोजन प्रारंभ हो रहा है पुरूषोत्तम मास में हो रहे इस आयोजन को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है। ज्ञात हो कि घुघरी वाले त्यागी जी महाराज के अनुयायी लगातार पूरे जिले में एवं जिले से बाहर भी रामधुन का आयोजन करते रहे हैं इस तरह के आयोजन में कम से कम 24 घंटे लगातार राम नाम का जाप किया जाता है। श्रद्धालुजन श्रीराम जयराम जय जय राम जपते राम दरबार के चारों ओर परिक्रमा लगाते हैं समय के साथ-साथ श्रद्धालुओं का जत्था बदलता जाता है लेकिन राम नाम का जाप लगातार जारी रहता है। अभी तक हमारी जानकारी यह आयोजन 24 घंटे और 48 घंटे का होता रहा है यह पहली बार हो रहा है जब सात दिनों तक लगातार राम नाम की गूंज महिष्मती घाट रपटा में गूंजने जा रही है। यह कार्यक्रम किसी एक संस्था या किसी एक भक्त का नहीं है बल्कि सभी रामभक्तों का यह आयोजन है लिहाजा आप सभी रामभक्त इस आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं और जो भी सहयोग करना चाहे कर सकते हैं।

### सीताराम सिंगरौरे को दी गई भावभीनी विदाई

**मण्डला।** जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सेवानिवृत्ति पर विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यालय में दफ्तरी के पद पर पदस्थ रहे सीताराम सिंगरौरे को स्टॉफ द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। बताया गया कि सीताराम सिंगरौरे ने इस कार्यालय में 41 सालों तक सेवाएं दी हैं। इस दौरान उनकी उत्कृष्ट कार्य प्रणाली पर प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, तत्कालीन कलेक्टर से भी वे सम्मानित हो चुके हैं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी बरकड़े ने श्री सिंगरौरे की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण भावना की प्रशंसा की। इस अवसर पर सीताराम सिंगरौरे का पूरा परिवार पत्नी श्रीमती देवी बाई, भाई विष्णु, गोवर्धन, पुत्री अन्नपूर्णा, सीमा, सरिता, तृप्ति, पूजा और पुत्र व दामाद जय दत्त झा, शैल दुबे, विवेक शुक्ला, आशुतोष बाजपेई, कार्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा।

## मय दस्तावेजों के राज्य शिक्षा केन्द्र में उपस्थित होने के आदेश

# भ्रष्टाचार का पर्याय बना जिला शिक्षा केन्द्र

*** अब उच्च स्तरीय जांच समिति करेगी जांच।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



भ्रष्टाचार का जरिया बना जेम पोर्टल

अपात्र पर क्यों मेहरबान प्रशासन



शिथिलता से हो रही जांच पर कार्यवाही

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र समग्र शिक्षा अभियान, मण्डला

जिला शिक्षा केन्द्र के दामन में वैसे भी काले दागों की कमी नहीं है और उसमें एक नया मोड़ आया है जब इन सब काले कारनामों की जांच राजधानी में राज्य शिक्षा केन्द्र के नेतृत्व में गठित एक उच्च स्तरीय जांच समिति करने जा रही है और इस हेतु जिला परियोजना समन्वयक को एवं सहायक परियोजना समन्वयक को राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल में जांच समिति के समक्ष व्यक्तिशः उपस्थित होने के आदेश दिये गये हैं और संबंधित दिनांक को अनुपस्थित होने की दशा में अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की बात भी कही गई है।



### किसकी हो रही जांच

ज्ञात हो कि जिले भर में जितने आवासीय छात्रावास है उनमें कहने को तो छात्रावास अधीक्षक नियुक्त हैं और उन्हीं के माध्यम से छात्रावास के लिये आवश्यक सामग्री क्रय की जाती है लेकिन हकीकत ठीक इसके उलट है। जिले से ही पूर्णरूप से खरीदी की जाती रही है और अपनों को लाभ पहुंचाया जाता रहा है।

छात्रावास अधीक्षकों को जिला मुख्यालय बुलाकर उनसे मांग पत्र मंगाया जाता है और संबंधित सामग्री के वर्क ऑर्डर जारी किये जाते हैं और संबंधित संस्था को भुगतान हेतु अग्रिम चैक भी ले लिये जाते हैं।

उन सामग्रियों की खरीददारी की जाती है जिनमें बड़े स्तर पर कमीशनखोरी हो सकती है भले ही ये सामग्री छात्रावास के लिये उपयोगी हो अथवा न हो। इसका सबसे बड़ा उदाहरण रोटी मेकर मशीन है जिसे छात्रावास अधीक्षकों के मना करने के बावजूद छात्रावास द्वारा खरीदी कराई गई। अब बिजली से चलने वाली यह मशीन बोल्टेज की कमी के चलते कोई काम नहीं कर पा रही। छात्रावास को बिजली और रसोई गैस दोनों खर्च करना पड़ रही है।

छात्रावासों में इसी तरह निम्न गुणवत्ता की वॉशिंगमशीन की खरीदी कराई गई जिसका दंश आज भी छात्रावास के बच्चे भुगत रहे हैं। इसी तरह कम्प्यूटर प्रिंटर खरीदी में भी जमकर भ्रष्टाचार किया गया।

बच्चों के लिये जो गद्दे क्रय किये गये उनकी गुणवत्ता आप देखेंगे तो शिक्षा व्यवस्था को कोसे बिना नहीं रह सकेंगे। इन बच्चों के सोने के लिये जहां सरकार ने भरपूर आवंटन दिया लगभग एक गद्दे के लिये तीन हजार रूपये तक आवंटित किये वहीं जब इन बच्चों के लिये गद्दे खरीदे गये तो इतने घटिया गद्दे हैं कि वे एक-दो माह में ही दम तोड़ दिये। अब तीन वर्ष तक इसी तरह के घटिया गद्दों से इन बच्चों को काम चलाना होगा क्योंकि इनके हक का पैसा तो इस विभाग के जिम्मेदारों ने दलाली में हड़प लिया।

एक बात और विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि छात्रावासों के लिये जो भी सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी की गई वह कमोवेश नगर के एक ही व्यापारी द्वारा सप्लाई की गई है जबकि वह व्यापारी इनमें से कोई भी सामग्री का न तो अधिकृत विक्रेता है और न ही निर्माणकर्ता ऐसे में निविदा की प्रक्रिया पर भी सवालिया निशान खड़े होते हैं और इसकी भी गंभीरता से जांच की मांग विभिन्न स्तरों पर लगातार की जाती रही है जब जिले स्तर पर इन शिकायतों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई तो स्थानीय प्रतिनिधियों ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया और यही हाल पड़ोसी जिले डिण्डौरी का भी है जहां पर कि यही कथित व्यापारी इन सामग्रियों की सप्लाई में शामिल रहा है।

अब जबकि जिले स्तर पर लगातार शिकायतों के बावजूद किसी तरह की न तो कोई जांच की गई और न ही दोषी व्यापारी पर कोई कार्यवाही लिहाजा अब मामला राज्य स्तर पर जांच कमेटी का है देखना होगा कि उच्च स्तरीय जांच समिति इस पूरे मामले की क्या गंभीरता से जांच कर सकेगी या फिर जिस तरह का घालमेल जिले स्तर पर हुआ है वह राज्य स्तर पर भी दिखाई देगा और दोषी लोग यूं ही मुस्कराते रहेंगे।

## वाटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण, पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने निर्देश



हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना के निर्देशानुसार पेयजल संबंधी संयंत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण मंडला श्री संस्कार बावरिया द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित वाटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल शुद्धिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा संयंत्र परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में सुबह एवं शाम दो समय होने वाली पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली गई।

श्री बावरिया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी ग्रीष्म ऋतु की समाप्ति तक नागरिकों को नियमित एवं सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा जल आपूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा न आने पाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं उपयंत्री भी उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री के अमर्यादित बयान के विरोध में युवा कांग्रेस ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के प्रति कथित रूप से अपमानजनक एवं अमर्यादित शब्दों के प्रयोग के विरोध में युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मंडला में ₹सद्बुद्धि महायज्ञ₹ का आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा कांग्रेस मंडला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कोविद सिंह ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष प्रणय भंडारी तथा एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ साहू ने किया।




इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कर मुख्यमंत्री को सद्बुद्धि प्रदान करने की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में मर्यादित भाषा और शालीन व्यवहार बनाए रखना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के लिए की गई टिप्पणी राजनीतिक गरिमा के अनुरूप नहीं है और इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंची है।

युवा कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कोविद सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा लोकतांत्रिक परंपराओं और स्वस्थ राजनीतिक संवाद की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति से समाज मर्यादित आचरण की अपेक्षा करता है। इसलिए विरोध दर्ज कराने के लिए प्रतीकात्मक रूप से सद्बुद्धि महायज्ञ का आयोजन किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष प्रणय भंडारी ने कहा कि राजनीतिक विरोध का अर्थ व्यक्तिगत टिप्पणी करना नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने बयान पर पुनर्विचार करने और सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करने की मांग की।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ साहू ने कहा कि युवाओं के सामने आदर्श प्रस्तुत करना जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। यदि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अमर्यादित भाषा का प्रयोग करेंगे तो इसका गलत संदेश समाज में जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में मुख्यमंत्री से राजनीतिक शिष्टाचार बनाए रखने तथा विपक्षी नेताओं के प्रति सम्मानजनक भाषा का प्रयोग करने की अपील की। महायज्ञ के समापन पर प्रदेश में सौहार्द, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और सद्भावना बनाए रखने की प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम में युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अवैध रेत परिवहन पर संलिप्त डम्पर जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

**खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त शिकायतों के आधार पर 1 जून को बम्हनी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त एक डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 8975 को खनिज विभाग की टीम द्वारा जब्त किया गया।**

जब्त वाहन को शासकीय अभिरक्षा में थाना बम्हनी की सुपुर्दगी में रखा गया है। वाहन के विरुद्ध ''मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022'' के तहत प्रकरण दर्ज कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। यह कार्रवाई खनिज निरीक्षक एवं खनिज अमले द्वारा की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा दोषियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आज

**मण्डला।** नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2026 की तैयारियों एवं समीक्षा के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय मंडला द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की जाएगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार यह बैठक 3 जून (बुधवार) को दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, नगरीय एवं पंचायत क्षेत्र के पंजीकरण/सहायक पंजीकरण अधिकारी तथा सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन) शामिल होंगे। बैठक में मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्य की तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

**अनदेखी** | **6 माह बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार क्यों कर रहे अनदेखी, समझ से परे।**

# वार्डन के आवेदन पर क्यों नहीं हो रही सुनवाई

*** क्षेत्रवासियों ने की वैकल्पिक नियुक्ति की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

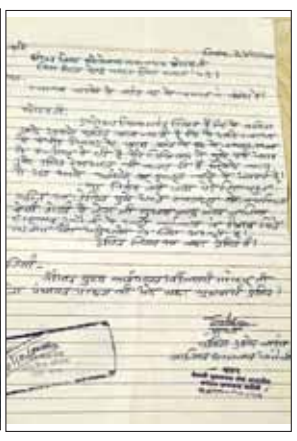

जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला अंतर्गत संचालित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास, आरौली में पदस्थ वार्डन सविता उइके द्वारा स्वास्थ्य कारणों से दो बार पदमुक्त किए जाने का आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई निर्णय नहीं लिए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।






जानकारी के अनुसार सविता उइके ने 29 दिसंबर 2025 को जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र मण्डला को आवेदन प्रस्तुत कर बताया था कि उनका स्वास्थ्य लगातार खराब बना हुआ है, जिसके कारण वे छात्रावास की जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने अनुरोध किया था कि उन्हें वार्डन के दायित्व से मुक्त किया जाए ताकि वे समुचित उपचार करा सकें।

बताया जाता है कि उक्त आवेदन पर कोई निर्णय नहीं होने के बाद उन्होंने 6 अप्रैल 2026 को पुनः आवेदन देकर तत्काल प्रभाव से वार्डन पद से अलग होने की इच्छा व्यक्त की। आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया कि स्वास्थ्य में गंभीर गिरावट आने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें आराम एवं नियमित उपचार की सलाह दी है। छात्रावास में 24 घंटे दायित्व निभाने की व्यवस्था होने से उपचार प्रभावित हो रहा है और वे स्वयं को जिम्मेदारियों के निर्वहन में असमर्थ महसूस कर रही हैं।

मामले को लेकर क्षेत्र में विभिन्न चर्चाएं चल रही हैं। लोगों का कहना है कि जब संबंधित वार्डन स्वयं स्वास्थ्यगत कारणों से पद छोड़ने का अनुरोध कर रही हैं और विभाग को इसकी जानकारी भी है, तब उनके आवेदन पर समय रहते निर्णय क्यों नहीं लिया जा रहा है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि स्वास्थ्य कारणों से वार्डन अपनी जिम्मेदारियां पूर्ण रूप से नहीं निभा पा रही हैं, तो इसका प्रभाव छात्रावास की व्यवस्थाओं पर पड़ सकता है।

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि वार्डन द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक निर्णय लिया जाए तथा छात्रावास के सुचारु संचालन और छात्राओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

### इनका कहना है -

*आवेदन पर विभागीय कार्यवाही जारी है। आगामी दो से चार दिनों में आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य संपादित कर दिया जाएगा।*

***-विनीता सोनी, एपीसी (बालिका), जिला शिक्षा केन्द्र, मण्डला***

*स्वास्थ्य लगातार ठीक नहीं रहने के कारण उन्हें उचित उपचार कराने में कठिनाई हो रही है। इसी वजह से उन्होंने जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को आवेदन देकर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास, आरौली (बिछिया) के वार्डन पद से अलग किए जाने का अनुरोध किया है।*

***-सविता उइके, वार्डन, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास, आरौली (बिछिया)***

## समाज सेवा और पत्रकारिता की साधना रंग लाई, कपिल वर्मा बने डॉ. कपिल वर्मा

*** पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर डॉ. कपिल वर्मा को "विद्यावाचस्पति" सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पत्रकारिता, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. कपिल वर्मा (चित्रांश), मध्यप्रदेश को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऋषि वैदिक विश्वविद्यालय, फतेहाबाद-आगरा (उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रतिष्ठित "विद्यावाचस्पति" सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उन्हें पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्जित प्रतिष्ठा तथा समाज हित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के अनुसार यह सम्मान विश्वविद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी की अनुशंसा पर प्रदान किया गया है। सम्मान पत्र पर कुलपति डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा एवं कुलसचिव डॉ. नरेश कुमार सिंहल एडवोकेट के हस्ताक्षर अंकित हैं। सम्मान की घोषणा 1 जून 2026 को की गई।

डॉ. कपिल वर्मा लंबे समय से पत्रकारिता के माध्यम से जनसरोकारों की आवाज़ को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता और निष्पक्ष पत्रकारिता ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई है। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक अभियानों, जनजागरूकता कार्यक्रमों तथा साहित्यिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता भी लगातार बनी रही है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों को न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना प्राप्त हुई है। समाज के वंचित वर्गों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर उनकी सकारात्मक पहलें समाज के लिए प्रेरणास्रोत रही हैं। यही कारण है कि उन्हें यह प्रतिष्ठित सारस्वत सम्मान प्रदान कर उनके योगदान को औपचारिक मान्यता दी गई है।

इस उपलब्धि पर पत्रकारिता, साहित्य, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों, मित्रों, शुभचिंतकों तथा विभिन्न संगठनों ने डॉ. कपिल वर्मा को बधाई देते हुए इसे मंडला जिले एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. वर्मा भविष्य में भी समाजहित और जनजागरण के कार्यों में इसी समर्पण के साथ सक्रिय रहेंगे।

यह सम्मान न केवल डॉ. कपिल वर्मा की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा का प्रतीक है, जो निष्पक्षता, प्रतिबद्धता और जनहित को सर्वोच्च मानकर कार्य करते हैं।

## खबर संक्षेप

### ट्रेनों में सीट सुरक्षित या फिर जल्दबाजी के चक्कर में रेल पटरी पार करना बन सकता जिन्दगी को खतरा

**हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।** शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मॉगने के हकदार है, किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों त्यौहारों की धूमधाम और शालाओं में चल रहे अवकाशों के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेट फार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीड भाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए या फिर जल्द बाजी में दूसरे प्लेट फार्म पर पहुंचने के लिये अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न करते हुये मासूम बच्चों को लेकर पटरी पार करने से नही चूकते है, इसमें महिलाएं भी पीछे नही रहती है, इतना ही नही हालत यह है कि कभी कभी तो रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। अक्सर देखा जाता है कि अनेक रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है। जब प्लेट फार्म कूद कर रेल लाईन पार करना अपने आप में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो ने रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटाते हुये प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

### खंडहर में तब्दील हो रहा कभी गुलजार रहने वाला जनपद भवन

**हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।** नगर में कुछ शासकीय इमारते ऐसी है जिनकी प्रशासन द्वारा उपेक्षा और उनके रख रखाब करने की अनदेखी की बजह से वे बदहाल होती चली जा रही है। इन जर्जन इमारतों का बारिश में ढहने का खतरा रहने के बाबजूद प्रशासन हरकत में नही आता जिसके कारण आंधियों, बारिश झेलने के बाद ये कीमती इमारते या तो खुद टूटने लगती है या फिर उनकी निर्माण सामग्री चोरी होने का सिलशिला शुरू हो जाता है जिसकी सच्चाई नगर में जहां तहां बनी हुई शासकीय इमारतों के बदहाल होने की स्थिति में दिखाई पड़ रही है? जानकारी के अनुसार पुलिस लाईन में बने पुलिस कर्मियों के क्वार्टर, थाने के सामने बना तहसीलदार का बंगला, पुलिस की पुरानी चौकी परिसर मं बने आरक्षकों के आवास, आवकारी विभाग का भवन तथा शासकीय अस्पताल के पास स्थित टी वी वार्ड सहित अन्य कुछ शासकीय कार्यालयों में अंग्रेजो के जमाने में निर्मित भवनों की हालत शोचनीय होती चली जा रही है। गौरतलब है कि नगर के पलोटन गंज इलाके में बने हुए कृषि विभाग और पुराने जनपद भवन को समय की मार पहले जर्जर कर दिया था, जिसके चलते वह खंडहर हो चुका है, ज्ञात हो कि इसमें कृषि विभाग के भवन का पुनःनिर्माण का काम फिलहाल चल रहा है किन्तु कभी गुलजार रहने वाला जनपद भवन तो पूर्ण रूप से खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। बताया जाता है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के स्वामित्व में आने वाले उक्त बेश कीमती भवन के खपरे, सागौन की लकड़िया सहित अन्य सामगी्र गायब हो चुकी है तथा शेष रही भी लगातार गायब होती चली जा रही है तथा उसके भीतरी भाग में भीषण गंदगी व्याप्त होने के कारण जहरीली कीड़े जन्म ले रही है, इस हालत में पड़े हुए शासकीय भवनों को लेकर लोगों का कहना है कि पलोटन गंज का जनपद भवन कब ढहने की कगार पर आ जाए इसकी कल्पना नही की जा सकती है..? वही लोगों कहना है कि यदि प्रशासन अपनी इस बेशकीमती संपत्ति को लेकर अच्छी सोच बनाये तो निश्चित ही यहां पर काम्पलेक्स सहित अन्य चीजों का निर्माण हो सकता है जिससे शासन को आये होने के साथ बेरोजागरो के लिए आय का साधन साबित हो सकता है? मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते सह सब हो पाना मुश्किल ही जान पड़ रहा है।

# मिलीभगत के चलते चल रहे अटल ज्योति योजना की बिजली से प्रभावशालियों के नलकूप

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

जहां एक ओर आये दिन बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिजली बिल जरा भी बाकी होता है तो बिजली विभाग द्वारा बिल बसूली के नाम पर सिर्फ उनकी लाईन ही नही काटी जाती है। बल्कि उनके घरों में रखी हुई सामग्री की कुर्की करते हुए समाज में अपमानित करने से भी नही चुकता तो दूसरी ओर जेल तक भेजने की कार्यवाही करने में देरी नही की जाती है..? वही दूसरी ओर जब क्षेत्र में बिजली की अधिक खपत होती है और उसका उपभोक्ताओं की मीटरों से मिलना नही होता है तो सीधे साधे आम उपभोक्ताओं के ऊपर ओवर लोडिंग का भार जडते हुये उन्हें मनमाना बिल थमाने में भी कोई कसर नही छोड़ी जाती है। यह पूरी स्थिति उन लोगों के कारण बनती है जो लोग बिजली विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिली भगत से जहां खुलेआम अटल ज्योति योजना की लाईनों से अपनी नलकूप चल रहे होते या फिर सीधे तारों से बिजली जोडकर खुलेआम बिजली चोरी करने से नही चूकते है। इस तरह बिजली चोरी रोकने का जिम्मा क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों के हाथों में होता है। मगर जब उन्ही लोगों द्वारा बिजली चोरी की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये अभयदान दिया जा रहा हो तो फिर बिजली चोरी कैसे रूक पायेगी..। इस बात की कल्पना आसानी से की जा सकती है...? कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय सिहोरा से लेकर समीपस्थ चीचली, सालीचौका, सांईखेड़ा, कौड़िया, पलोहा सहित क्षेत्र के अनेक गांव में देखने मिल रही है जहां पर जम्मेदार अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की कृपा दृष्टि के चलते खुलेआम अटल ज्योति योजना के लाईनों से लोगों के नलकूप चलते हुये देखे जा रहा है तो दूसरी ओर सीधे तारों से कंटी फसाकर बिजली चोरी होते हुये देखने के बाद भी कर्मचारियों द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुये देखा जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? जब इस तरह बिजली चोरी के चलते सांईखेडा क्षेत्र में बिजली की खपत का रिकार्ड निर्धारित उपभोक्ताओं की खपत से मेल नही होता है तो नियमों का पालन करने वाले इन उपभोक्ताओं पर बिजली विभाग द्वारा ओवर लोड़िग का आरोप लगाते हुये उन्हें मनमाने बिल थमाने में कोई कसर नही छोड़ते है..? मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो कुछ प्रभाव शाली लोगों को बिजली विभाग द्वारा ही संरक्षण देते हुए किस प्रकार से दूसरी योजना के तहत सप्लाई किये जाने बिजली का उपयोग कराया जा रहा है। इस बात की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में आसानी से देखने मिल सकती है..? इस संबंध में बताया जाता है कि जहां बिजली विभाग द्वारा सरकार की अटल ज्योति योजना के तहत लोगों को गांवों में 24 घंटे बिजली प्रदान करने हेतु अलग लाईन खीची गई है तथा किसानों को अपनी खेती बाड़ी के उपयोग हेतु अलग अलग लाईन प्रदान की गई जिसके चलते जहां खेती बाड़ी के उपयोग हेतु बिजली विभाग द्वारा बिजली प्रदाय करने के लिए निर्धारित समय किया गया है। उसी समय पर बिजली प्रदान की जाती है तथा गांवों में बिजली का उपयोग करने वाले लोगों को अधिक समय तक बिजली प्रदान की जाती है..? मगर क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम अटल ज्योति योजना के तहत प्रदान की जाने वाली बिजली का धडल्ले से उपयोग किया जा रहा है..? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जा रहा है कि किसानों के खेतों पर लगी हुई बिजली डीपी शायद बिलों के आभाव में जल लाने के बाद बदली नही जा रही है, जिसके चलते कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम गांव में अटल ज्योति योजना की बिद्युत लाईन से अवैधानिक रूप से कनेक्शन लेते हुए उसका उपयोग किया जा रहा है। मगर हद तो तब हो जाती है जब इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना इस बात का उदाहरण स्पष्ट हो रहा है कि शायद बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से बिजली चोरी करने वालों को शह प्रदान की जा रही है...? क्योंकि क्षेत्र के कुछ लोगों का कहना है कि जब इस प्रकार से अवैधानिक रूप से अटल ज्योति बिजली का उपयोग करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाता है तो वह सूचना देने वाले व्यक्ति के ऊपर ही अपना रौब झाडने से भी नही चुकते है और उसके घर पहुंचकर बिजली चोरी का आरोप लगाते हुये कार्यवाही करने में भी पीछे नही रहते है..? इस बात से तो यह स्पष्ट होता हुआ जान पड़ रहा है कि इस प्रकार से नियम विरूद्व किये जा रहे अटल ज्योति बिजली के दुरूपयोग के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही न होना बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से प्रभावशाली लोगों को बिजली का उपयोग किये जाने में अपना संरक्षण प्रदान किया जा रहा है? क्योंकि इस प्रकार से धडल्ले इस 11 के व्ही लाईन से कन्टी बनाते हुए जोड़ी गई बिजली लाईन के संबंध में बिजली विभाग के कर्मचारियों को जानकारी न हो यह तो संभव हो ही नही सकता है..? जबकि बिजली विभाग के लाईन मेनों द्वारा आये दिन क्षेत्र का भ्रमण करते हुए बिजली लाईनों की जांच की जाती रहती है, और इसके बाद भी इस प्रकार से दूसरी योजना की बिजली का उपयोग करना बिजली विभाग की मिली भगत की देने के आलवा और कुछ नही हो सकता है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि इस क्षेत्र के अन्य किसान खेती के लिए प्रदान की जाने वाली बिजली बंद होने के कारण जहां वह अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए बंचित हो रहे है? वही दूसरी ओर प्रभाव शाली लोग बिजली विभाग की मिली भगत के चलते जलबे मारते हुए नियम विरूद्व अटल ज्योति योजना की बिजली का दुरूपयोग करते हुए देखे जा रहे है? जिसके चलते बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर भी अनेक प्रकार के सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है?

## जहां नाबालिगों द्वारा दौड़ाये जा रहे हो ट्रेक्टर ट्राली तो फिर क्या दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद कर पाना संभव हो सकता है...?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

इस समय क्षेत्र में आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्वेश्य से पुलिस द्वारा जिस प्रकार से आये दिन जहां तहां अपना तम्बू लगाते हुए छोटे वाहनों की जांच करते हुए उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए जिस प्रकार से चलानी कार्यवाही की जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक वाहनों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों को चलाते हुए देखा जाता है कि जो वाहन रोकने के लिए वाहन के ब्रेको तक अपने पैर तक नही पहुंचा पाते है। मगर इसके खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही करने में सफल नही होने के कारण जहां पुलिस द्वारा चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है..? वही दूसरी ओर इन नाबांलिको के वाहन चलाने के कारण आम लोगों की जिन्दगी को भी खुलेआम खतरा पैदा होता हुआ जान पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो गन्ना ढोने वाले वाहनों से क्षेत्र के अनेको जगह होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोगों की जाने चली जाती है। मगर पता नही कि प्रशासन इन रेत से लेकर मिट्टी सहित अन्य प्रकार की सामग्री ढोने वाले वाहन चालको पर क्यों मेहरवान होते हुए लोगों की जिन्दगी के साथ खुली खिलबाड़ करने की छूट प्रदान किये हुए है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि क्षेत्र में कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत ट्रेक्टर ट्रालियों में खुलेआम व्यवासयिक कार्य होने के साथ साथ कम उम्र के नाबालिग बच्चों को सड़को पर दौड़ाते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखने मिलती है कि मिट्टी से ओवर लोड भरी हुई ट्रालियों को इस प्रकार के नाबांलिक चलाते हुए देखे जाते है जिनके ब्रेक तक पैर भी नही पूजते है। इस बात की सच्चाई विगत दिवस उस समय देखने मिली जब एक नाबांलिक किशोर ट्रेक्टर ट्राली को ले जाते हुए देखा गया। इस बच्चे को ट्रेक्टर चलाते हुए देखकर जहां अनेक लोग हैरत में पड़ गये वही पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर भी सबाल खड़े करते हुए देखे गये।

## एसडीएम कलावती व्यारे का हुआ तबादला मणिन्द्र सिंह होंगे नये राजस्व अधिकारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

प्रशासनिक अधिकारियों में तबादला होना तो आम बात रहती है। मगर कभी कभी इस तरह के अधिकारी का तबादला होता है तो निश्चित तौर से वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ आमजन दुखी दिखाई देने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावती व्यारे के तबादला के चलते देखने मिल रही है। क्योंकि उनके द्वारा जुलाई माह वर्ष 2023 में गाडरवारा एसडीएम का पदभार ग्रहण करते हुये जिस तरह अपनी निष्ठापूर्वक कार्य प्रणाली दिखाते हुये लोगों के दिलों में जो जगह बनाई गई है उसके चलते उनके तबादला की खुबर सुनकर जहां लोगों को दुखी होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर यदि कलावती के कार्यकाल की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो बीते हुये माह नगर की सड़को पर फैले हुये अतिक्रमण को हटाने की जिस तरह उनके द्वारा कार्यवाही की गई वह निश्चित तौर से नगर के इतिहास के पन्नों में दर्ज होने से नही चूक पाई है। क्योंकि एसडीएम व्यारे द्वारा जिस निष्ठा व बगैर किसी पक्षपात के प्रभावशाली लोगों सहित शासकीय भूमि पर टपरे स्थापित करते हुये गरीबों से मनमाना किराये के रूप में पैसा बसूलने वालों की हुकूमत को समाप्त किया गया है। इस तरह की कार्यप्रणाली आज तक किसी भी अधिकारी के अंदर देखने नही मिल पाई थी। लोगों का कहना है कि यदि वह कुछ दिन और रूक जाती तो निश्चित तौर से नगर की पुरानी गल्लामंडी, बडा सराफा बाजार, झंडाचौक सहित शहर के अन्य भागों में भी प्रभावशालियों के कब्जे से शहर की सरकारी भूमि को मुक्त कराने में पीछे नही रहती। इस तरह एसडीएम कलावति का

स्थानांतरण होने से उन लोगों में खुशी का महौल देखने मिल रहा है। जो अनेक वाहूबली बाजार क्षेत्र में शासकीय भूमि व पक्की नालियों पर कब्जा जमाये बैठे हुये है। यह लोग कलावति की कार्यवाही को देखते हुये जहां रातों की नींद गायब हो गई थी। मगर उनके तबादला की खबर सुनते ही चेहरे पर खुशी दिखाई देने से नही चूक रही है...? बताया जाता है कि बीते हुये दिनों जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने राज्य प्रशासनिक सेवा संवर्ग के अधिकारियों के मध्य कार्यों का विभाजन करते हुये उन्हें जिला मुख्यालय पर नरसिंहपुर एसडीएम का दायित्व सौप दिया गया है। बताया जाता है कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने राज्य प्रशासनिक सेवा संवर्ग के अधिकारियों के मध्यम कार्य विभाजन को लेकर जारी किये गये अपने आदेश संयुक्त कलेक्टर मणिन्द्र सिंह अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर को अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गाडरवारा और संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कलावती ब्यारे अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गाडरवारा को अब अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर में नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किये गये है। इस तरह एसडीएम कलावति जहां अब नरसिंहपुर की एसडीएम होगी। वही गाडरवारा एसडीएम के रूप में मणिन्द सिंह पदभार ग्रहण करेगे।

## बीपीएमयू बैठक के दौरान स्कूल चले हम अभियान को भव्यता प्रदान करने की तैयारियों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

वैसे तो नये शिक्षा सत्र की शुरूआत बीते हुये माह अप्रैल से हो चुकी है। मगर इसके बाद भी सही रूप से नये शिक्षा सत्र का संचालन जुलाई माह से ही होता है। इस तरह आने वाले माह से शुरू हो रहे नये शिक्षा सत्र को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा अभी से तैयारियों की शुरूआत कर दी गई। इसी के चलते बीते हुये दिवस चीचली विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट तथा उल्लास नवभारत साक्षरता की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि इस बैठक को सम्बोधित करते हुए विकास खंड स्रोत समन्वयक चीचली डी के पटैल एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल एमआईएस पोर्टल का बिंदुवार प्रशिक्षण देकर संबंधित कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुये उन्होंने स्कूल चले हम अभियान द्वितीय चरण से संबंधित सभी बिंदुओं को समाहित करते हुये जहां जरूरी दिशा निर्देश दिये गये। वही 16 जून को प्रत्येक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव भव्यता से आयोजित किये जाने को लेकर भी सुझाव दिए। कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं में नवीन प्रवेश, नामांकन, मैपिंग , यू डाइस पोर्टल पर प्रोग्रेशन, पोर्टल पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी निर्माण, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। उल्लास नवभारत साक्षरता के सहसमन्वयक सत्यम ताम्रकार द्वारा मार्च में संपादित असाक्षरों की परीक्षा के रिजल्ट की पोर्टल फीडिंग समीक्षा, बसाहटों में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की। इस बैठक मे बीएसी अरुण दुबे, एमआईएस कोआर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव, खुशबू ब्रिजपुरिया, उपयंत्री मनोज बुनकर, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, प्रमोद साहू, संजय सोनी, ललित पाराशर, हरीश गुप्ता, अनूप पालीवाल, हेमंत पटेल, नरेश मेहरा, बुलंद सिंह कुशवाहा, कैलाश कहार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## क्या सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर पशुओं की मैराथन दौड़ की तैयारी तो नहीं की जा रही है?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

कहने के लिए तो इस समय सालीचौका क्षेत्र में लगातार विकास की गति में बताया जा रहा है। मगर यहां पर फैली हुई अव्यवस्थाओं के चलते जिस प्रकार से क्षेत्र के लोगों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि लोग लगातार परेशान होते हुये देखे जा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई रेल्वे स्टेशन की भी देखी जा रही है, सालीचौका रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र में लगभग 40 से 50 गांवों के लोग प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर सहित होशंगाबाद, पिपिरया, इटारसी सहित अन्य जगहों के लिए यात्रा करते है। मगर यहां के रेल्वे स्टेशन पर फैली हुई अव्यवस्थाओं में सुधार की ओर किसी के द्वारा भी ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि रेल यात्री अपने आपको पूर्णरूप से असुरक्षित महसूस करने से नही चूकते है? क्षेत्र के लोगों को रेल सुविधाएं मिलने के नाम पर देखा जावे तो यहां पर पैसेन्जर गाड़ियों के आलवा मात्र जनता एक्सप्रेस तथा कुछ माह पहले सोमनाथ एक्सप्रेस का ही स्टाप शुरू हुआ है। जबकि क्षेत्र के गरीबों के लिए प्रमुख माने जाने वाली शटल गाड़ी को बीते हुए कुछ वर्ष पहले जिस प्रकार से बंद कर दिया गया है उसे पुनः शुरू कराने के लिए आज तक क्षेत्र के किसी भी नेता द्वारा कोई प्रयास नही किया गया है जिसके चलते शटल बंद होने के कारण क्षेत्र के गरीबों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है। यह बात अलग है कि उसके स्थान पर चंद डिब्बों वाली मेमो शुरू की गई वह लोगों को सुविधा प्रदान करने की जगह परेशानी करते हुये देखी जा रही है? वही दूसरी ओर रेल्वे स्टेशन की व्यवस्थाओं की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि जहां बारिश के मौसम में रेल यात्रियों को खड़े होने के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध नही हो पाती है, जिसके चलते बारिश के पानी में भीगते हुए ट्रेनों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। वही गर्मी के दिनों में रेलयात्री छाव तलासते हुये देखे जाते है, जिसकी सच्चाई आने वाले कुछ दिनों बाद आसानी से दिखाई देने से नही चूकेगी? वही सुरक्षा की दृष्टि पर नजर डाली जावे तो रात दिन यहां पर आवारा तत्वों की जमावड़ा लगा रहने के कारण महिला यात्रियों को अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझते हुए देखा जाता है? स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि रेल्वे स्टेशन पर घूमने वाले आवारा पशुओं पूर्णरूप से यहां पर कब्जा जमा लेते है जिसके कारण रेल यात्री अपने जान को खतरा महसूस करने से नही चूक रहे है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई उस समय देखने मिली जब रेल्वे प्लेट फार्म के समीप पशुओं की जमावड़ा लगा हुआ था उसे देखकर लोग यह बात कहने से नही चूके की गई ऐसा तो नही कि रेल विभाग द्वारा पशुओं के बीच कोई मैराथन दौड़ की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हो जिसके कारण इतने पशुर यहां पर एकत्र है? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि रेल्वे स्टेशन पर दिन दिन भी पशुओं द्वारा जिस प्रकार से भ्रमण करते हुए देखा जाता

# ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पेंशन को मोहताज हैं अनेक अशिक्षित विधवाएं

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

शासन ने वृद्धो, विकलांगो, असहाय विधवाओं को मासिक पेंशन देने की योजना जरूर शुरू की है, लेकिन हकीकत है कि मासिक पेंशन राशि पाने के लिए क्षेत्र की अनेक अशिक्षित विधवाओं व वृद्धो को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बताया जाता है कि गांवो में पंचायत सचिवों के गोरख धंधें के कारण भर बुढ़ापे में वृद्ध, अपना सुहाग गवॉ चुकी महिलाएँ वंचित रहती है, उन्हे न तो समय पर पेंशन राशि मिलने की जानकारी दी जाती है और न ही कम पढ़े होने से बैंको से वे आसानी से पेंशन राशि ले पाते है। क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायत के सचिवो पर आरोप यह भी है कि वे वृद्धो विधवाओं को पेंशन के भुगतान में गड़बड़ झाला भी कर देते है और कथित तौर पर वृद्धजनों की एकाध माह की पेंशन राशि भी गोल कर देते है? यही नही ग्राम पंचायतों में वृद्धों की पेंशन स्वीकृत कराने में भी विलम्ब का खेल चलता है, जिसके चलते चलने फिरनें से असमर्थ वृद्धों, निराश्रित विधवाओं कों जनसुनवाई में अधिकारियों की शरण में जाना पड़ता है, विधवा पेंशन लेने वाली महिलाओं की माने तो पहले निर्धारित समय पर उनकी पेंशन का पैसा मनी आर्डर से आता था, जिससे बहुत सुविधा रहती थी, अब पेंशन लेने बैंको में जाना पड़ता है जहां अशिक्षित होने की वजह से उन्हे मुसीबत होती है और बैंको के कर्मचारी भी उनकी उपेक्षा करते है। गौरतलब है कि यही हाल शहर के पेशन प्राप्त करने वाले कम शिक्षित वृद्धो के भी है, जिन्हे किसी पढ़े लिखे नौजवान का सहारा लिए मासिक पेंशन की राशि नही मिल पाती।

## खबर संक्षेप

### वर्षों से फरार तीन वारंटी गिरफ्तार, अमरकंटक पुलिस की कार्रवाई

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में थाना अमरकंटक पुलिस ने 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे तीन स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना प्रभारी निरीक्षक एलबी तिवारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने लगातार प्रयास एवं मुखबिर सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। अभियान में उपनिरीक्षक पीएस बघेल, सहायक उपनिरीक्षक पीआर धनंजय, प्रधान आरक्षक पूरन सिंह मरावी, प्रधान आरक्षक तिलक सिंह तथा आरक्षक कृष्णा सिंह राजावत, रवि पटेल, रघुराज सिंह एवं पवन तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्थायी वारंटी धन्नू बैगा (41 वर्ष) निवासी जालेश्वर टोला, फररी सेमर को प्रकरण क्रमांक 23/22, धारा 354, 323 ताहि. एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया। इसके अलावा वसूली वारंटी प्रकरण क्रमांक 156/25, धारा 125(3) बीएनएसएस के तहत विष्णु सिंह ओट्टी (28 वर्ष) निवासी भीमकुंडी को पकड़ा गया। वहीं प्रकरण क्रमांक 482/22 एवं अप.क्र. 461/22, धारा 304(ए) ताहि. के मामले में फरार चल रहे रामप्रसाद पड़वार (29 वर्ष) निवासी स्कूलटोला, हरई को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों को विधिवत न्यायालय में पेश किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अमरकंटक पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

### सेवा दिवस पर शांति नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** सेवा दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, अनूपपुर द्वारा सेवा बस्ती शांति नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ रक्तचाप (बी.पी.), शुगर एवं एनसीडी (गैर-संचारी रोग) संबंधी जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 70 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। चिकित्सकीय जांच के दौरान लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किए गए तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. देवेंद्र तिवारी, जिला प्रतिनिधि कमलाकर गौतम तथा सदस्य मनोज द्विवेदी, हरिशंकर वर्मा, रामप्रकाश द्विवेदी एवं अनिल तिवारी, स्थानीय जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग का अमला, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका ने उल्लेखनीय सहभागिता निभाई। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

# जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण, बिजली-पानी, सड़क और आवास समेत कई समस्याएं उठाईं

डिंडौरी।

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में कुल 77 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें बिजली, पेयजल, सड़क, मुआवजा, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें प्रमुख रहीं। प्रशासन ने सभी आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।ग्राम पंचायत सारंगपुर पड़रिया के ग्रामीणों ने एकीकृत शाला हाई स्कूल के प्रभारी प्राचार्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि प्राचार्य विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते तथा राष्ट्रीय पर्वों के दौरान अनुचित व्यवहार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के हित में कार्रवाई की मांग की।

ग्राम नयेगांव रैयत के महुआ टोला के ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2007 में बिछाए गए बिजली के तार जर्जर हो चुके हैं और कई स्थानों पर टूटने की स्थिति में हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही कई बार पूरे गांव में बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। इस मामले में विद्युत विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।वहीं ग्राम पंचायत देवरा के किसान टोला के सरपंच ने धरती आबा योजना के तहत सर्वेक्षण होने के बावजूद बिजली कनेक्शन नहीं मिलने की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि बिजली के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। प्रशासन ने संबंधित विभाग को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।शहपुरा तहसील के ग्राम कनेरी माल के दो किसानों ने फसल के ढेर में आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी देते हुए आर्थिक सहायता की मांग की। वहीं हर्रा टोला पड़रियाकला के ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर सार्वजनिक हैंडपंप खनन की मांग रखी। इस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।सारंगपुर पड़रिया के ग्रामीणों ने वर्ष 2020-21 से अधूरे पड़े सोसाइटी भवन का निर्माण शीघ्र पूरा कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि भवन अधूरा होने के कारण राशन प्राप्त करने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। प्रशासन ने संबंधित विभाग को समस्या के निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### जनसुनवाई में दिव्यांग हितग्राही को मिली राहत, ट्राइसाइकिल प्रदान कर पेंशन स्वीकृति के दिए निर्देश

**डिंडौरी।** कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्राम छांटा बैगा टोला निवासी दिव्यांग हितग्राही मनोज कुमार बैगा ने अपनी समस्या प्रशासन के समक्ष रखी। उन्होंने आवेदन देकर बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के साथ-साथ वे शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं तथा उनकी दिव्यांग पेंशन बंद हो जाने से जीवनयापन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पेंशन पुनः शुरू कराने की मांग की।मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से हितग्राही को मौके पर ही ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें आवागमन में सुविधा मिल सके। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को दिव्यांगता संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण कर पात्रता के अनुसार दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश भी दिए गए। प्रशासन की त्वरित एवं संवेदनशील पहल से हितग्राही को राहत मिली। मनोज कुमार बैगा ने सहायता मिलने पर जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

# जनसुनवाई में गूंजा पेयजल संकट का मुद्दा, एसडीएम ने मौके पर भेजी पीएचई टीम

शहपुरा।

डिंडौरी जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पायली घुघरी के तलवान टोला में आज भी ग्रामीण गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। गांव के करीब 150 लोगों को पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है।ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी के मौसम में उन्हें पानी की तलाश में दूरस्थ नालों में झिरिया खोदकर पानी निकालना पड़ता है। वहीं बरसात के दौरान दूषित और गंदा पानी पीने की मजबूरी बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार जनपद पंचायत एवं संबंधित विभागों को शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। पेयजल संकट से परेशान ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर एसडीएम कार्यालय शहपुरा पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और जनपद पंचायत के सीईओ तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के एसडीओ को ग्रामीणों के साथ मौके पर भेजकर स्थिति का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए।एसडीएम ने गर्मी के दौरान टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के साथ ही समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।हालांकि बड़ा सवाल यह है कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी ग्रामीणों को पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है और प्रशासनिक निर्देशों के बाद इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक हो सकेगा।

# जल संचय जनभागीदारी अभियान में डिंडौरी का शानदार प्रदर्शन, वेस्टर्न जोन में प्रथम और देश में तीसरा स्थान

डिंडौरी ।

जल संचय जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत डिंडौरी जिले ने जल संरक्षण और जल संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिला प्रशासन और जनसहभागिता के संयुक्त प्रयासों से जिले में व्यापक स्तर पर जल संचयन एवं संरक्षण संबंधी कार्य किए गए जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर सामने आए हैं।अभियान के दौरान कुएं बावड़ियां नहर तालाब जलाशय हैंडपंप कूप नल जल कनेक्शन खेत तालाब अमृत सरोवर सहित विभिन्न जल स्रोतों का निर्माण और संरक्षण किया गया। इसके अलावा डगवेल रिचार्ज हैंडपंप रिचार्ज कंटूर ट्रेंच गली प्लग गेबियन परकोलेशन टैंक चेक डैम रिचार्ज पिट बोरी बंधान ड्रिप इरिगेशन तथा मटका सिंचाई पद्धति जैसी जल संरक्षण संरचनाओं का भी निर्माण किया गया। शासकीय और अशासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं विकसित कर वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया।

### आठ लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण

गांवों में घरों से निकलने वाले पानी के संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर सोखता टैंक बनाए गए। इससे वर्षा जल का पुनर्भरण सुनिश्चित होने के साथ भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिल रही है।अभियान के तहत जिले में कुल 8 लाख 3 हजार 979 जल संरक्षण संरचनाएं तैयार की गई हैं। इनमें 8 हजार 990 डगवेल रिचार्ज 2 हजार 257 हैंडपंप रिचार्ज 16 हजार 719 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं 1 लाख 72 हजार 543 कंटूर ट्रेंच 16 हजार 312 गली प्लग 1 हजार 922 गेबियन 1 हजार 354 परकोलेशन टैंक 10 हजार 12 खेत तालाब 2 हजार 395 तालाब 6 हजार 687 चेक डैम 61 हजार 254 रिचार्ज पिट 3 हजार 441 बोरी बंधान तथा 8 हजार 412 ड्रिप इरिगेशन कार्य शामिल हैं।स्व सहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से मटका सिंचाई पद्धति के माध्यम से 35 हजार पौधों की सिंचाई की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 हजार 797 ड्रिप इरिगेशन कार्य कराए गए जबकि स्वास्थ्य विभाग ने 1 हजार 945 सोक पिट रिचार्ज कार्य पूर्ण किए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 7 हजार 54 स्टैंड पोस्ट के पास सोक पिट बनाए गए।

### राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए इन नवाचारों और सामूहिक प्रयासों के चलते आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। देश को पूर्व पश्चिम उत्तर और दक्षिण चार जोन में विभाजित किया गया है। पश्चिमी जोन में शामिल मध्यप्रदेश राजस्थान गुजरात और महाराष्ट्र के बीच डिंडौरी जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर जिले को तीसरा स्थान हासिल हुआ है।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों कर्मचारियों जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के बिना जल संरक्षण जैसे अभियान सफल नहीं हो सकते। उन्होंने जिलेवासियों से भविष्य में भी जल संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों को निरंतर जारी रखने की अपील की।

# लाखों की लागत से बने अमृत सरोवर गर्मी में सूखे, जल संरक्षण के उद्देश्य पर उठे सवाल

अमरपुर।

जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा पिछले कुछ वर्षों में लाखों रुपये की लागत से अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया। इन तालाबों का उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण करने के साथ-साथ महिला स्व-सहायता समूहों को मछली पालन एवं साग-सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना था। हालांकि अमरपुर विकासखंड में अधिकांश अमृत सरोवर अपने मूल उद्देश्यों को पूरा करने में विफल नजर आ रहे हैं।क्षेत्र में एक-दो सरोवरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश अमृत सरोवर भीषण गर्मी के दौरान पूरी तरह सूख चुके हैं। इससे न तो जल संवर्धन का लक्ष्य पूरा हो सका और न ही महिला समूहों को अपेक्षित लाभ मिल पाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर नालों को रोककर अमृत सरोवर बनाए गए, लेकिन निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया। पटल भराई और जल संरक्षण संबंधी कार्य गुणवत्तापूर्ण न होने के कारण तालाबों में संचित वर्षा जल धीरे-धीरे रिसकर समाप्त हो जाता है।ग्रामीणों के अनुसार अधिकांश अमृत सरोवरों का पानी फरवरी-मार्च तक ही सूख जाता है, जिससे गर्मी के मौसम में ये जल स्रोत अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। ऐसे में करोड़ों रुपये की इस योजना की उपयोगिता और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से अमृत सरोवरों की तकनीकी जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है, ताकि जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े शासन के उद्देश्य सफल हो सकें।

### ओवरलोड गिट्टी परिवहन करते हाइवा पर खनिज विभाग की कार्रवाई, वाहन जब्त

डिंडौरी।

जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम ने ओवरलोड गिट्टी का परिवहन कर रहे एक हाइवा वाहन को जब्त किया है।जानकारी के अनुसार, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में 1 जून को खनिज विभाग द्वारा ग्राम सक्का क्षेत्र में निरीक्षण किया गया। इस दौरान वाहन क्रमांक MP52ZA8144 को निर्धारित क्षमता से अधिक गिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। जांच के बाद वाहन को अवैध एवं ओवरलोड खनिज परिवहन के मामले में जब्त कर लिया गया।कार्रवाई के दौरान वाहन चालक अर्जुन सोनवानी, निवासी ओड़हारी, तहसील घुघरी, जिला मंडला के कब्जे से हाइवा को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से थाना कोतवाली डिंडौरी में खड़ा कराया गया है।खनिज विभाग ने वाहन के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। मामले को नियमानुसार न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन एवं खनिज परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

# कलेक्टर ने जनसुनवाई में 94 आवेदकों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 94 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल, तहसीलदार भू-संसाधन एवं प्रबंधन प्रदीप मोगरे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।

जनसुनवाई में जैतहरी निवासी सुषमा राठौर ने सीमांकन कराए जाने, बिजुरी वार्ड क्र. 9 निवासी संतोष कुमार जायसवाल ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम हर्री निवासी रामसुन्दर राठौर ने फसल नुकसान की मुआवजा राशि दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम थानगांव निवासी कामता सिंह ने पी.एम. विश्वकर्मा योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील जैतहरी के ग्राम लहसुना निवासी शंकरलाल ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम पंचायत मेड़यिारास निवासी राहुल नामदेव ने ग्राम पंचायत के वार्ड नं. 02 सिकटहा टोला में विद्युत पोल लगवाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा फौती नामांतरण की नकल दिलवाए जाने, जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने, खसरे में सुधार किए जाने, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

हरिभूमि

# नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 3 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

## खबर संक्षेप

### 60 से अधिक हितग्राहियों को मिले कृत्रिम हाथ-पैर

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** जिले के पीजी कॉलेज परिसर में एम.आर. ट्रस्ट एवं एलिम्को के सहयोग से एडिप योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए विशेष निशुल्क कृत्रिम अंग वितरण एवं चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले भर से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे और उन्हें आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराए गए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल उपस्थित रहे उन्होंने दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और पुनर्वास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों का परीक्षण एवं माप लिया गया। जिन हितग्राहियों की प्रक्रिया पूर्ण थी, उन्हें मौके पर ही कृत्रिम हाथ एवं पैर प्रदान किए गए। शिविर में लगभग 60 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। कृत्रिम अंग प्राप्त करने के बाद लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक जीवन के कार्यों को करने में काफी सुविधा मिलेगी और वे अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे उन्नत तकनीक से तैयार कृत्रिम अंग हल्के, टिकाऊ एवं उपयोग में सुविधाजनक हैं, जिससे दिव्यांगजन सामान्य जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। शिविर में चिकित्सकों, तकनीकी विशेषज्ञों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने आयोजन से जुड़े सभी संस्थानों एवं सहयोगियों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को दिव्यांगजनों की सहायता और सम्मान के लिए आगे आना चाहिए। शिविर के सफल आयोजन से दिव्यांगजनों में उत्साह और आत्मविश्वास देखा गया

### देशी कट्टा व कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली की एक व्यक्ति अवैध रूप से एक बारह वोर का देशी कट्टा पास रखे हुए है जो कपूरी रेल्वे फाटक के पास घूम रहा है। सूचना पर आरोपी को गिरफ्त में लेने प्रभावी घेराबंदी की गई जिसके परिणाम स्वरूप आरोपी को गिरफ्त में लेने में सफलता प्राप्त हुई। आरोपी आकाश उर्फ विक्की पिता खेमचन्द्र मेहरा, उम्र 21 वर्ष, निवासी आजाद वार्ड, कन्देली, नरसिहंपुर से एक अवैध बारह वोर का देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

## जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

# मानव अधिकारों की रक्षा करना सर्वोच्च जिम्मेदारी: प्रियंक

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** मंगलवार को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मानव अधिकारों से जुड़ी योजनाओं और क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। मानव अधिकारों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। श्री कानूनगो ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा करना आयोग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। पीड़ितों को त्वरित न्याय और राहत देना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सेवाओं और दिव्यांगता प्रमाण-पत्र यूडीआईडी कार्ड निर्माण की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

### लंबित मामलों का हो तत्परता से निराकरण

राष्ट्रीय मानव आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित नवजात शिशुओं के उपचार व पोषण आहार तथा पालकों की मजदूरी भत्ता के संबंध में समीक्षा की। बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पीड़ित बच्चों को कानूनी एवं मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने को कहा। श्री कानूनगो ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और पीड़ितों से जुड़े प्रकरणों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिससे पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पात्र विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए। आधार कार्ड संबंधी लंबित मामलों का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

### पात्रों को योजनाओं का मिले लाभ

उन्होंने बैठक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र में युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को कहा। राष्ट्रीय मानव आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने पीएम विश्वकर्मा योजना, जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने बैठक में पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम इंटरशिप योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, पढ़े चलो-बढ़े चलो, नीट एवं जेईई परीक्षा, निःशुल्क साईकिल वितरण, समेकित छात्रवृत्ति योजना, आयुष्मान भारत योजना, दिव्यांगजनों के लिए कौशल, प्रधानमंत्री आवास योजना, यूडीआईडी कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पुनर्वास योजना, दिव्यांग कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की।

### मानधन योजना पंजीयन शिविर सम्पन्न

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना अंतर्गत पंजीयन शिविर नगरपालिका करेली में मंगलवार को सम्पन्न हुआ। शिविर में 18 वर्ष से 40 वर्ष तक की आयु के असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का पंजीयन किया गया। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित एक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना है। इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह 3 हजार रुपये की न्यूनतम पेंशन प्रदान की जाती है। योजना में श्रमिक द्वारा निर्धारित मासिक अंशदान जमा किया जाता है तथा केंद्र सरकार द्वारा भी समान राशि का योगदान किया जाता है। पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड, आधार एवं ई-श्रम में पंजीकृत मोबाइल नंबर तथा बैंक पासबुक शामिल हैं। जिन श्रमिकों का ई-श्रम पंजीयन नहीं हुआ है, उनके लिए शिविर में तत्काल ई-श्रम पंजीयन की व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी।

### राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली में सुधार की मांग, अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** मंगलवार को अधिवक्ताओं ने राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के नाम प्रभारी अपर कलेक्टर गजेंद्र नागेश को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अधिवक्ताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किए जाने तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के समय पर पंजीयन एवं निराकरण नहीं होने की शिकायत की गई। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि अनेक मामलों को केवल पोर्टल पर लंबित न दिखाने के उद्देश्य से ऑनलाइन डिस्पोज कर दिया जाता है, जबकि उनकी सुनवाई ऑफलाइन जारी रहती है। इसके अलावा शासन के निर्देशों एवं नियमों के विपरीत बड़ी संख्या में अपंजीबद्ध मामलों का संचालन किया जा रहा है तथा कई मामलों को प्रक्रिया का पालन किए बिना खारिज किया जा रहा है। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए कई सुझाव भी दिए। प्रमुख मांगों में नरसिंहपुर जिले में नियमित अपर कलेक्टर की शीघ्र नियुक्ति शामिल है। उनका कहना है कि वर्तमान में जिला पंचायत के सीईओ को अपर कलेक्टर का प्रभार दिया गया है, जिससे न्यायालयीन कार्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। इसके अलावा अपर कलेक्टर न्यायालय में न्यायालयीन कार्यवाहियों के लिए निश्चित दिन और समय तय करने की मांग की गई। अधिवक्ताओं ने न्यायालय में लंबे समय से पदस्थ बाबुओं को तत्काल हटाने, ऑनलाइन डिस्पोजल और ऑफलाइन लंबित मामलों की जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग भी उठाई। साथ ही लंबित प्रकरणों का शीघ्र पंजीयन कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने की मांग की गई।

### वृद्धजन सम्मान के साथ मनाई गई स्व. सारंग की जयंती

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** गत दिवस भाजपा के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग की जन्म जयंती प्रयास शिक्षण एवं सामाजिक संगठन द्वारा मातृ-पितृ भक्ति दिवस एवं वृद्धजन सम्मान दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष पं. नीरज महाराज ने कहा कि स्व. श्री सारंग भाजपा के आधार स्तंभ रहे है, नरसिंहपुर के सैकड़ों कार्यकत्ताओं से उनका सीधा संपर्क रहा है। स्व. श्री सारंग की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम के माध्यम से वृद्धजनों का सम्मान श्री सारंग सच्ची श्रद्धांजलि है। इसके पूर्व अतिथियों सहित उपस्थित जनों द्वारा स्व. श्री सारंग के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष नीरज महाराज सहित अनेक लोगों ने दीन दयाल रसोई में उपस्थित वृद्धजनों का माल्यार्पण एवं तिलक से स्वागत सम्मान किया। प्रयास संस्था द्वारा आज की भोजन व्यवस्था में सहयोग भी प्रदान किया।

### पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने ली कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

**गोटेगांव-नरसिंहपुर।** कांग्रेस के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक Ajay Singh (राहुल भैया) ने नरसिंहपुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया। वे पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष Narmada Prasad Prajapati के निवास पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। बैठक में जिले के वरिष्ठ कांग्रेसजन, ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्ष, नगर पदाधिकारी तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अजय सिंह ने भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों की तैयारी में जुटने का संदेश दिया।

### गौरव का पलः सुमेध बेटा ने तो कमाल कर दिया IITian बन गया!

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सुमेध चौकसे (राम) को JEE Advanced 2026 में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर IIT में चयनित होने पर हर्ष का माहौल है। आपकी इस शानदार उपलब्धि ने पिता श्री नीरज चौकसे, माता श्रीमती कविता चौकसे, चाचा श्री पंकज चौकसे एवं समस्त चौकसे परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। आपके अथक परिश्रम, लगन और समर्पण का यह प्रेरणादायक परिणाम है। चौकसे परिवार के प्रथम IITian बनने पर विशेष बधाई! ईश्वर से प्रार्थना है कि आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

### विधायक की पहल पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित

**गोटेगांव।** विधायक Mahendra Nagesh की अनुशंसा पर जनपद पंचायत गोटेगांव द्वारा दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कृत्रिम अंग, कैलिपर्स एवं अन्य सहायक उपकरणों के लिए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन और परीक्षण किया गया। हाथ या पैर गंवा चुके दिव्यांगजनों का विशेष रूप से चिन्हांकन भी किया गया। विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना शासन की प्राथमिकता है तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

### सड़क निर्माण में बाधा मजदूरों के साथ मारपीट मामला पहुंचा थाने

**तेंदूखेड़ा।** जिस सड़क नाली निर्माण को लेकर लोग परेशान देखे जाते हैं। लेकिन एक मामला ऐसा भी सामने देखने को मिला है कि गांव में हो रही सीमेंट सड़क निर्माण में लोग बाधक बनें हुए हैं। मामला चांवरपाठा विकास खंड की ग्राम पंचायत सर्रा बंधी का है। यहां पर ग्राम पंचायत के द्वारा लगभग दस लाख रुपए की राशि से 200 मीटर सीमेंट सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण कार्य में कुछ लोग बाधक बनें हुए हैं। यहां पर महिला सरपंच है और मजदूरों के माध्यम से निर्माण कार्य चल ही रहा था कि अचानक इस बनते हुए सड़क मार्ग से टेक्ट्रर निकाल दिया। इतना ही नहीं जब मजदूरों और सरपंच के परिजनों ने रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ मारपीट कर दी। महिला सरपंच अपने पति और ग्राम पंचायत सचिव रोजगार सहायक को मजदूरों को लेकर पुलिस थाने तेंदूखेड़ा पहुंचे। शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट तोड़फोड़ का मामला दर्ज कराया जा रहा है।

# अहिल्या बाई होलकर की जन्म जयंती धूमधाम से मनाई

**तेंदूखेड़ा।** विगत दिवस तेंदूखेड़ा की पाल गड़रिया समाज द्वारा अपने आराध्य वंशज अहिल्याबाई होलकर की जन्म जयंती नगर में धूम धाम से मनाई गई।इस मौके पर स्वजातीय बंधुओं ने पुरानी नगर परिषद के सामने तरफ से एक विशाल शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली। जिसमें युवा वर्ग में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला।अहिल्या बाई के चित्र पर माल्यार्पण पूजन किया। तथा समाज के वरिष्ठ जनों ने कुरितियों को उखाड़ फेंकने बच्चों को शिक्षित करने व्यसनों को त्यागने जैसे विषयों पर काफी विस्तार से चर्चा की।

# संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह 9 जून से

**तेंदूखेड़ा।** पुरुषोत्तम मास में जगह जगह धार्मिक आयोजन चल रहे हैं इसी श्रंखला के चलते परमपिता परमेश्वर एवं माँ नर्मदा जी की असीम कृपा तथा पूज्य माता पिता के शुभ आशीर्वाद से स्टेडियम ग्राउंड देवरी राजमार्ग 09 जून से 15 जून तक श्रद्धेय कथा वाचक राष्ट्रीय संत पूज्य विपिन बिहारी महाराज के श्रीमुख से संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जा रहा है। मुख्य यजमान एवं आयोजक पूर्व विधायक संजय शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील करते हुए कहा है कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं अपितु जीवन को धर्म भक्ति सदाचार एवं आध्यात्मिक चेतना से आलोकित करने वाला अमृतमय महोत्सव है। कथा श्रवण से मन को शांति जीवन में सुख-समृद्धि तथा प्रभु कृपा की अनुभूति प्राप्त होती है। सभी श्रद्धालुजनों धर्मप्रेमी बंधुओ एवं मातृशक्ति से विनम्र आग्रह है कि सपरिवार इस पुण्य अवसर पर पधारकर कथा रस का श्रवण करें एवं पुण्यलाभ अर्जित करें। कथा समय प्रतिदिन सायं 04 बजे से शाम 07 बजे तक 16 जून को भंडारा एवं महाप्रसादी के साथ समापन होगा।

# आये दिन गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर हो रहे हादसे

**तेंदूखेड़ा।** इन दिनों तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर आये दिन हादसे दुर्घटना होना अब आम बात हो गई है। घुमावदार इस सड़क मार्ग पर बबूल की झाड़ियां फैल जाने सड़क तक आ जाने के कारण सामने तरफ से आने वाले वाहन दूर से दिख नहीं पाते हैं। और सामने वाले बाहन अचानक अपना संतुलन खो बैठते हैं।सामने जा भिड़ते है।इस मार्ग पर छोटे छोटे बाहन चालकों की घटनाएं दुर्घटनायें घटित होना आम बात हो गई है।लोगों ने मांग की है कि सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल प्रभाव से झाड़ियां काट देना चाहिए।जिससे सामने तरफ के बाहन स्पष्ट रूप से दिख सकें।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत करकबेल, बोहानी, चीचली, बरमान में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424